नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित विदिशा (म०प्र०)

वार्षिक प्रतिवेदन 2025-26

माननीय सदस्यगण एवं मेरे सहकारी साथियों,

नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित विदिशा की 24 वीं वार्षिक साधारण सभा में आप सभी का संचालक मण्डल की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। मान्यवर, नागरिक बैंक विदिशा की स्थापना 1 जून 2002 को आप सबके सहयोग से हुई थी जिसमे स्व. श्री सुभाष यादव जी की प्रेरणा एवं हमारे संस्थापक अध्यक्ष माननीय श्री महेन्द्र सिंह यादव के प्रयासों विशेष भूमिका थी। उनके प्रयास और आप सबके सहयोग से ही विदिशा के नागरिकों की अपनी बैंक की नींव पढ़ी जो कि दिन प्रतिदिन एक बड़ा आकार ले रही है। हमारी बैंक की मुख्य विशेषता यह है कि यह आप ही लोगों की बैंक है। अन्य कॉमर्शियल या प्राईवेट बैंक जैसी नहीं है जहां हम अपनी बात रख ही नहीं पाते और उनके उच्चाधिकारियों तक पहुँच ही नहीं पाते। नागरिक बैंक को हम और आप मिलकर ही सफलता पूर्वक चला रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं बैंकिंग क्षेत्र में नित नये परिवर्तन हो रहे है। नई-नई तकनीकें आ रही हैं जिनसे ग्राहकों को अनेक सुविधायें भी मिल रही हैं। किंतु इससे हमारे लिये चुनौतियां भी बढ़ रही है। क्योंकि अपने सीमित संसाधनों के साथ हमे अपने से हजारों गुना बढ़ी वाणिज्यिक एवं निजी बैंकों से प्रतिस्पर्धा करना पढ़ रहा है। मुझे प्रसन्नता है कि इन सब चुनौतियों के बावजूद हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। हमारी ग्राहक सेवा की सराहना हर जगह होती हैं। और इसी के कारण ग्राहकों का विश्वास हमारी बैंक पर निरंतर बढ़ रहा है। वर्ष 2025-26 में बैंक की जो स्थिति रही वह आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

स्वामीगत निधियों एवं पूंजी पर्याप्तता :

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूँजी पर्याप्तता के निर्धारित मानदण्डों के अनुसार वर्ष 2025-26 में बैंक की पूँजी पर्याप्तता 12.50% है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित मानदण्ड 9.00% से 3.50% अधिक है। वर्ष 2025-26 में बैंक की अंश पूँजी में 25.20 लाख की वृद्धि होकर वर्षान्त पर कुल अंश पूँजी 292.92 लाख रूपये एवं सदस्य संख्या 3009 हो गई है। इस प्रकार अंश पूँजी में 9.41% की वृद्धि हुई है।

कार्यशील पूँजी :

वर्ष 2025-26 में बैंक की कार्यशील पूँजी में रूपये 749.36 लाख की वृद्धि होकर रूपये 6223.58 लाख हो गई है। इस वित्तीय वर्ष में अमानतों में रूपये 729.12 लाख की वृद्धि होकर कुल अमानतें रूपये 5623.68 लाख की हो गई हैं। इस प्रकार अमानतों में 14.90% की वृद्धि हुई है।

ऋण एवं अग्रिम:

वित्तीय वर्ष 2025-26 में वर्षांत पर कुल ऋण व अग्रिम रूपये 3747.23 लाख है जो कि गत वर्ष से 539.82 लाख रूपये अधिक है। इस प्रकार अग्रिमों में 16.83% की वृद्धि हुई है। जमाओं की तुलना में ऋण एवं अग्रिम 66. 63% है जो कि गत वर्ष 65.53% था। इस प्रकार ऋणों में अच्छी वृद्धि हुई है।

गैर निष्पादक आस्तियों :

वर्षांत पर कुल एन पी ए 118.33 लाख रूपये हैं जो कि 3.16% है। बैंक का शुद्ध एन पी ए 0.00% हैं। विगत वर्ष से एन पी ए में कमी हुई है। किन्तु हम अभी भी इससे संतुष्ट नहीं हैं। हमारा प्रयास है कि सकल एन पीए को 3% से नीचे लाया जाये। शुद्ध एन पी ए को हम लक्ष्य अनुसार शून्य पर ले आये हैं जो कि एक बड़ी उपलब्धि है

शुद्ध लाभ :

इस वर्ष बैंक को रू0 16.72 लाख का शुद्ध लाभ हुआ है। गत वर्ष बैंक को रू. 12.34 का शुद्ध लाभ हुआ था। हम अपने ग्राहकों को जो डिजिटल सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं उन पर हमे काफी अधिक व्यय करना पड रहा है । इस कारण हम उतना लाभ उर्जित नहीं कर पा रहे हैं कि हमारे अंशधारकों को लाभांश दे सकें। डिजिटल सेवाएँ आज की बैंकिंग की प्राथमिक आवश्यकता बन गया है। इससे बैंक को सीधे कोई आय नहीं होती किंतु अपने ग्राहकों को ये सेवाएँ देना आवश्यक है जिससे उनकी हर बैंकिंग आवश्यकताओं को हम पूरा कर सकें और अपने बैंकिंग सेवाओं एवं व्यवसाय का विस्तार कर सकें। किंतु आगामी वर्ष जो कि हमारी बैंक की 25 वीं वर्षगांठ होगी हम निश्चित ही अपने सदस्यों को लाभांश वितरित करेंगे ।

अंकेक्षण एवं निरीक्षण :

वित्तीय वर्ष 2025-26 का सांविधिक अंकेक्षण मेसर्स राहुल चौधरी एण्ड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउण्टेंट विदिशा द्वारा किया गया, जिनकी अनुशंसा पर सहकारिता विभाग द्वारा बैंक को अ वर्ग में रखा जाकर अंकेक्षण टीप को पारित किया गया है। विगत कई वर्षों से बैंक को निरंतर अ वर्ग प्राप्त हो रहा है जिससे प्रमाणित होता है कि हम निरंतर सही ढंग से काम कर रहे हैं।

आधुनिक तकनीक का प्रयोग:

वर्तमान समय तकनीक का समय है। बैंकिंग क्षेत्र में तकनीक का उपयोग निरंतर बढ़ता जा रहा है। हालांकि इसकी लागत बहुत अधिक है इसके बावजूद बैंक द्वारा अधिकतम आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर अपने ग्राहकों को अधिक से अधिक लाभ देने की कोशिश की जा रही है। इसी दृष्टि से RTGS एवं NEFT द्वारा बाहर फण्ड भेजने की सुविधा एवं बाहर से फण्ड मंगाने की सुवधिा ग्राहकों को दी गई है। बैंक द्वारा SMS सुविधा भी प्रारंभ कर दी गई है। अब सभी ट्रांजेक्शन की जानकारी ग्राहकों को उनके मोबाइल पर दी जा रही है। इसके साथ ही 2017 में हमने ए टी एम सुविधा प्रारंभ कर दी थी। 2018 में मोबाईल बैंकिंग, 2019 में आई एम पी एस एवं 2020 में हमने यू पी आई सुविधा प्रारंभ कर दी हैं। इसके साथ पी एफ एम एस, डी बी टी एव ई सी एस की सुविधा भी हमारा बैंक दे रहा है। वर्ष 24-25 में हमने क्यू आर कोड सेवा भी प्रारंभ की है जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। इस प्रकार हमारी बैंक मध्यप्रदेश की अग्रणी बैंकों की श्रेणी में है जो कि अपने ग्राहकों को सभी आधुनिक सुविधायें दे रहा है। यह हमारे लिये बेहद गर्व की बात है। उन्नत तकनीक एवं ग्राहक सेवा के लिये हम निरंतर काम करते रहेंगे ।

ग्राहक सेवा :

बैंक संचालक मण्डल प्रारंभ से ही अपने ग्राहकों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता आया है। बैंक का निरंतर विकास इस बात का संकेत है कि ग्राहक हमारी सेवाओं से संतुष्ट हैं। ग्राहक सेवा में आगे भी किसी भी प्रकार से कमी नहीं होने देंगे, क्योंकि ग्राहक सेवा ही हमारा परम ध्येय है।

सामाजिक कल्याण कार्यक्रम

बैंक केवल अपने सदस्यों को ही लाभान्वित नहीं कर रही है अपितु समाज एवं राष्ट्र कल्याण के क्षेत्र में भी हम पीछे नहीं हैं। इस वर्ष माननीय सुभाष यादव जी के जन्म दिन के अवसर पर 1 जून को बैंक संचालक मण्डल एवं समस्त बैंक स्टॉफ द्वारा माधव उद्यान में वृक्षारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त बैंक द्वारा छात्रों को बैंकिंग का निःशुल्क प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) भी दिया जाता है जो कि एक माह से एक वर्ष तक का होता है, जिससे कि वे बैंकिंग के क्षेत्र में अपना करियर बना सकें। इस प्रकार बैंक अपने अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने में भी पीछे नहीं है।

आभार :

अंत में बैंक के संचालक मण्डल तथा कर्मचारियों की ओर से मैं आप सभी का आभार प्रकट करता हूँ। आशा है कि आप सबका सहयोग आगे भी इसी प्रकार से प्राप्त होता रहेगा। धन्यवाद।

जय सहकार। जय भारत!

संचालक मण्डल की आज्ञा से

दिनॉक: 31.05.2026

(अवधेश सिंह यादव)

अध्यक्ष